31

सृजनशीलता
(Creativity)

वैज्ञानिक, तकनीकी तथा औद्योगिक विकास के आधुनिक युग में विभिन्न क्षेत्रों के अन्तर्गत नित प्रतिदिन नूतन आविष्कार हो रहे हैं। इनमें से अधिकांश आविष्कारों के पीछे जहाँ वैज्ञानिकों का अथक परिश्रम छिपा है वहीं उनकी सृजनशीलता का भी कम योगदान नहीं है। पहले यह माना जाता था कि केवल लेखक, कवि, चित्रकार, संगीतकार आदि व्यक्ति ही सृजनशील होते हैं परन्तु अब यह माना जाने लगा है कि मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सृजनशीलता की अभिव्यक्ति हो सकती है। वास्तव में संसार के समस्त प्राणियों में कुछ न कुछ सृजनशीलता पाई जाती है- किसी व्यक्ति में कम मात्रा में सृजनशीलता होती है तथा किसी व्यक्ति में अधिक मात्रा में सृजनशीलता होती है। इसी प्रकार से किसी व्यक्ति में किसी क्षेत्र में सृजनशीलता होती है तथा किसी व्यक्ति में किसी अन्य क्षेत्र या क्षेत्रों में सृजनशीलता होती है। निःसन्देह मानवीय जीवन को सुखमय बनाने के लिए नवीन आविष्कार करने तथा समस्याओं का समाधान खोजने के कार्य में सृजनशीलता अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। दूसरे विश्वयुद्ध के उपरान्त से 'सृजनशीलता' के संप्रत्यय पर मनोवैज्ञानिकों व शिक्षाशास्त्रियों ने विशेष ध्यान दिया गया है। वर्तमान समय में तीव्र गति से हो रहे वैज्ञानिक, तकनीकी तथा औद्योगिक प्रगति व विकास तथा आधुनिकीकरण ने मानव जीवन को इतना जटिल एवं समस्याग्रस्त बना दिया है कि इन समस्याओं के समाधान के लिए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सृजनशीलता की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। आज के समस्याग्रस्त जटिल समाज तथा प्रतियोगितापूर्ण संसार में सृजनशील व्यक्तियों की अत्यन्त माँग है। वैज्ञानिक तथा तकनीकी उपलब्धियों को अधिकाधिक अर्थपूर्ण करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सृजनशील व्यक्तियों को खोजना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना एक राष्ट्रीय आवश्यकता बन गयी है। प्रस्तुत अध्याय में सृजनात्कता का वर्णन किया गया है।

सृजनशीलता का अर्थ
(Meaning of Creativity)

भिन्न-भिन्न मनोवैज्ञानिकों के द्वारा सृजनशीलता (Creativity) को भिन्न-भिन्न ढंग से परिभाषित किया गया है। मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत सृजनशीलता की कुछ प्रमुख परिभाषाएँ निम्नवत हैं-

डीहान तथा हेविंगहर्स्ट के अनुसार- "सृजनशीलता वह विशेषता है जो किसी नवीन व वांछित वस्तु के उत्पादन की ओर प्रवृत्त करती है। यह नवीन वस्तु सम्पूर्ण समाज के लिए नवीन हो सकती है अथवा उस व्यक्ति के लिए नवीन हो सकती हैं जिसने उसे प्रस्तुत किया है।"

Creativity is the quality which leads to the production of something new and desirable. The new product may be new to society or new to the individual who creates it.

– Dehan and Havinghurst

ड्रेवहल के शब्दों में- "सृजनशीलता वह मानवीय योग्यता है जिसके द्वारा वह किसी नवीन रचना या विचारों को प्रस्तुत करता है।"

"Creativity is the human ability by which he presents any noble work or ideas"

– J.E. Drevdahl